

## एक समंदर ऑस्ट्रेलिया में समा गया था

ताज़ा विश्लेषण बताता है कि 2011 में विश्व भर में समुद्रों का जल स्तर बढ़ने की बजाय घटा था और इसका कारण संभवतः यह था कि ढेर सारा पानी ऑस्ट्रेलिया में फंस गया था।

आम तौर पर समुद्रों से पानी वाष्पित होता है, वर्षा के रूप में बरसता है और नदियों के माध्यम से वापिस समुद्र में पहुंचकर अपना चक्र पूरा कर लेता है। इस तरह संतुलन बना रहता है। मगर कोलेरैडो स्थित नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च के जॉन फासुलो के मुताबिक 2011 में यह चक्र बीच में टूट गया था।

जॉन फासुलो ने वैश्विक समुद्र तल के आंकड़ों में कुछ गड़बड़ी देखी। पिछले दो दशकों से समुद्र तल में प्रति वर्ष करीब 3 मिलीमीटर की वृद्धि हो रही थी। मगर 2011 में समुद्र तल में 7 मिलीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। 1992 में समुद्र तल के उपग्रह-आधारित मापन शुरू होने के बाद यह सबसे ज़्यादा गिरावट थी।

यह गिरावट 2011 के आरंभ से शुरू होकर 2011 के अंत तक बनी रही थी। फासुलो के मन में सवाल यह पैदा हुआ कि आखिर इतना सारा पानी गया कहाँ। उन्होंने पाया कि 2011 में ऑस्ट्रेलिया में ज़ोरदार बारिश हुई थी और भयानक बाढ़ आई थी। तो उन्होंने सोचा कि इन दो घटनाओं में कोई सम्बंध होना चाहिए।

उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों से पता चला कि 2011 में

पिछले वर्षों की तुलना में कहीं ज़्यादा पानी ज़मीन पर फंस गया था। इसमें से भी ज़्यादातर पानी ऑस्ट्रेलिया की धरती पर था। ऑस्ट्रेलिया में उस वर्ष अतिवृष्टि के कई कारण थे। इनमें ला निना नामक घटना के अलावा हिंद महासागर का असंतुलित रूप से गर्म होना भी शामिल था। फिर भी सवाल यह था कि बारिश का यह पानी इतने लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया की धरती पर क्यों बना रहा।

ऐसा लगता है कि ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की बनावट कुछ ऐसी है कि वहां पानी ज़्यादा देर तक ठहरता है। पश्चिमी इलाके में नदी-नाले बहुत कम हैं। इस वजह से पानी को बहने में समय लगता है। दूसरी ओर, पूर्वी इलाके की कई नदियां रेगिस्तानी क्षेत्र में खुलती हैं। जब भारी बारिश होती है तो इस क्षेत्र में एक छोटा-मोटा समंदर सा बन जाता है - लेक आयर। यहां रेत में पानी भर जाता है और यह पानी बहुत धीरे-धीरे समंदर में लौटता है। फासुलो के मुताबिक यह मुख्य कारण था कि क्यों 2011 में दुनिया भर में समुद्र तल में गिरावट हुई थी। अलबत्ता, तस्मानिया के समुद्र एवं वायुमंडलीय शोध संस्थान के जॉन चर्च की गणनाओं के मुताबिक लेक आयर के निर्माण के आधार पर समुद्र तल में हुई गिरावट की पूरी व्याख्या नहीं हो सकती है। इस वजह से तो मात्र 3.75 मिलीमीटर गिरावट की व्याख्या संभव है। तो यह सवाल अभी आधा अनुत्तरित है कि 7 मिलीमीटर की गिरावट कैसे हुई थी। (स्रोत फीचर्स)